₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 86; May 2019

बिषय सूची

वोटी बाड़े	1
कैद केआं छुटकारा	2
अउं इस धरती पुठ किस असा?	3
बेवफा मनख	4
चुटकुले	4

कुकती धनीस: 15 मेई
वोटियात: 19 मेई

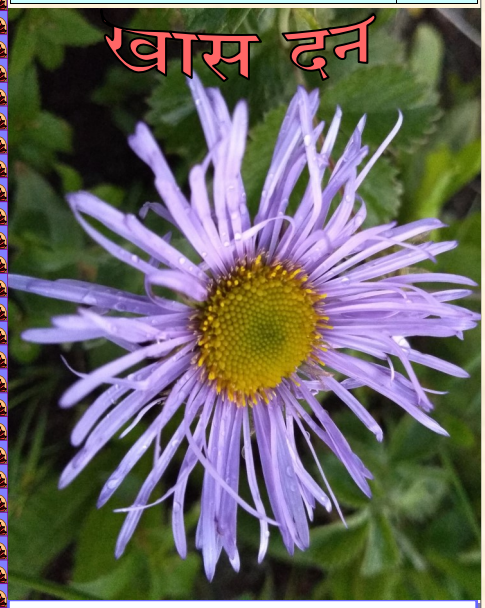

धाणि त **तसे जुएली**

केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेके व्याहे, आठु जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते ।

वोटी बाड़े

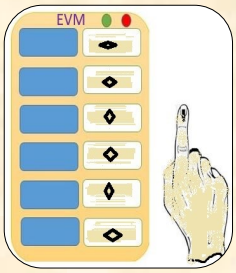

अंउ पांगेई मेहणू जे यक विनती कता कि अब फी वोटीयती के टेम एई गओ असा। त तुस सोभ अपु वोट सोच समीझी कइ दिए। तुसी सोभी पता असा कि हर फैरी हें पांगेई मेहणू जोई की भुंतु। चहें जे बि सरकार एन्ती से हें पांगेई मेहणू के कना कछ सोचती नउ। से सद तेन्ही मेहणू के सोचती जे तेस पार्टी नेते भुंते। की से सद तेन्के वोटी के बेलि थोड़ी जीतो भुंते ना? केनी होरी बी त तेकें धे वोट दुतो भुंते। त फी से होरी मेहणू के बोक किस ना शुणते। से हें ई गरीब मेहणू संउदी ले खे ना लांते। जेखेईं से कोसे कुर्सी बठ बिश्ते त से गरीबी के कना संउदी हेरता नउ। से केसे गरीबे गेभुरु संउदी कोठी नोखरी ना लांते, मोजी कने से पढ्ढुण अन्तर कतु बि तेज किस ना भोल। किस कि मेईं ए हेरो असु। या त से तेन्ही नोखरी लांते जेन्के कोउं खास कोउं तेस पेर्टी जोई बिश्ता या त से लगता जेस कें सुआ रुपेई भुंते। से तेसे मुंहु बन कइ छांता से नेता तोउं तेस मेहणू केसे नोखरी लांता। असी गरीबी के अतो रुपेई भुंतेथ त कि जरुरी थी ना कि नोखरी करीण। कोई जरुरत नेओथ। गरीब केईं त तातरे रुपेई भुंते कि तेंके

बेलि से अपु राशन त होर अपु झणे बुटी के गुजारा कते त हियुंते गुजारा कते। गरीब त बचारे संउदी कइ अपु सही ईलाज ना कइ बटते। हें पांगेई त कछ दफतर अतो गुजी नेणे बाड़े असे कि से सोभी किंया गुजी नेन्ते। कछ कमे ना कते। कछ कछ महेकमा त ज्यदा ई खराब असा। से त धिक धिक कमे लिए गुजी मगते। तन्ही महेकमी के नाउ सोभी पांगेई महेणू पता असा। पर तेंके खलाफ किस ना से आवाज उठांते। से तेन्ही महेणू तियार करो असे जेन्ही केईं जादे रुपेई भुंते। जेसे बेली कि से होरी के कम बी सही भुंण ना देन्ते, किस कि से तेंके धे रुपेई देन्ते। त से अपु कम फत दी कइ कराई छांते। गरीब बचारा तेठी का तेठी रेही घेन्ता, जेसे बेलि कि तेसे सुआ रोज तेस कम जे टुठी घेंते जेसे बेली तेसे ना त तेसे यक कम भुंतू ना होरु कम भुंतू।

इस फैरी बी जे कांउ तुसी केंई वोट मगण जे एन्ते त तुस तेन्ही कियां पुछ सकते कि तुसी हें पांगेई जे कि चुताओ आसु। हें पांगेई ना त हिंयुत बिजली भुंती ना त जहाज टेम बठ एन्ता। होर ना त सुसर मोबाइली बट सगनाल एन्ता। जेंके बेली सोभी मेहणू केतनी परशेनी भुंती। ना त हें पांगेई सुसरीयनी सोलार फाटे बी नेई दुतो। से बी कोसे कोसे ग्रां जे दुतो असे। हें कलाइ हर मामले अन्तर सोभी किंया पांतु रीयो असु ।

जे कोउं अफसर हें पांगेई बारे सोचण लगा त तेस हें इठीयाण केही केही मेहणु सुसुर ठगण ना देन्ते। पता नेई तेन्ही तेस खरे अफसर हेर कि रोलण भुन्तु? ना त प्रधान सोचते ना त बी०डी०सी० सोचते। पता नेई ऐ कि कारण असा कि से केसेरी धे किस ना सोचते। अस कि तेन्के दुशमण भींत ना?

<u>नउः</u> विनोद कुमार, <u>ग्रांः</u> सैरी भटोस

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

कैद केआं छुटकारा

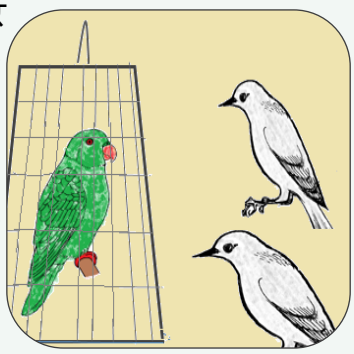

यक जिम्मदार थिया। तसे बोडी कोठि थी। तेन जिम्मदारे अपु भखैरी अन्तर यक तोता पिन्जरे अन्तर बन्न कइ रखो थिया। तेस तोते नउ मिटठु थियु। तसे भखैरी अन्तर यक अलणी के जोड़ा बि थिया। अलणी के जपल मन कताथ तपल बहर घुमण जे घेई घेन्तेथ। त जपल मन कताथ वापस एई घेन्तेथ। अलणी इ बाहर घुमते हेर कइ मिटठु तोते मन बि बहर खुले अम्मर अन्तर उडरणे कताथ। पर से बचारा की कताथ? पिन्जरे अन्तर बन्न थिया। से तेस पिन्जरे टोड़ बि ना बटताथ। मिटठु तोता मन मार कइ चुपचप बिशताथ।

यक रोज मिटठू तोते अलणी के जोड़ा अपु भेएड़ भिया। त तन्हि केआं पुछु, "जिम्मदार तुसी बहर की घेण देन्ता? मोउं त इस पिन्जरे अन्तर केहि दन भोई गए, तेन आज तकर यक पल बि अउं बहर नेई छओ। असे पिछे की राज असा? ए बोक में समझ ना आइ।" अलणी के जोड़े मिटठू तोते जे जवाब दता "तेस असी पुठ विश्वास भोई गओ असा कि अस दन भई घुम फिर कइ ब्यादी जे वापस एई घेन्ते।"

मिटठू तोते अलणे भाई कना जे हेर कई बोलु, "भाई केहि दन केआं इस पिन्जरे अन्तर बिश बिश कइ अउं परीशान भोई गओ असा। अउं बि तूं ईं खुले अम्मर अन्तर उडरण चाहांता।" अलणे तोते जे बोलु, "अउं तें कि मदत कइ सकता? अउं बि त तें ईं मठड़ पभुरु भुओ।" तोते बोलु, "इ ना बोल अलण भाई, जेस रोज केआं खड़ तुस इस कोठि अन्तर अओ असे, मेईं तोउ केआं सुआ उम्मीद लाइ रखो असी।" "तोता भाई, मेईं तोउ जे पहेलाईं बोलो असु कि अउं तें कोई मदत ना कइ सकता।" तोउं तोते बोलु "तुईंए समझा अलणी भेणिए एस।" तोते टीरी बई एंखू झड़ण लग गए। तोते एंखू हेर कइ अलणी मन अन्तर दाह् एई गई। "ठीक असी, तोता भाई, अस तें मदत जरुर कते। असी सोचण जे थोड़ा टेम दे।" अलणी विश्वास हेर कइ तोते जान अन्तर जान आई।

होरा रोज अलण तोते पिन्जरे भेएड़ आई त बोलुण लगी, "तोता भाई, मेईं तोउ छुड़काणे उपया सोच छओ असा।" तोते खुश भोई कइ अलणी कना जे हेर कइ बोलु, "मोउं तोउ पुठ पूरा विश्वास थिया भेणिए कि तु जरुर में समास्याई हल तोपती।" अलणी तोते यक उपया बता। "यक दुई रोज तोउ किछ बि ना खाण। बिलकुल डमरी बिशुण। तोउं जिम्मदार समझियाल कि तें तबियत ठीक नेई। दुई रोजे बाद मरो तेन्के ईं टीर बन्न कर कइ बिशुण। जिम्मदार तोउ जतर बि हिलाल-डुलाल तोउ बिल्कुल ना हिलुण। तोउं, से तोउ मरो समझ कइ पिन्जरे केआं बाहर कढ़ता। त तेस टेम तु मौका हेर कइ उडीरी गा।" तोते बोलु, "धन्यवाद भेणिए, अउं ईहांणी कता।"

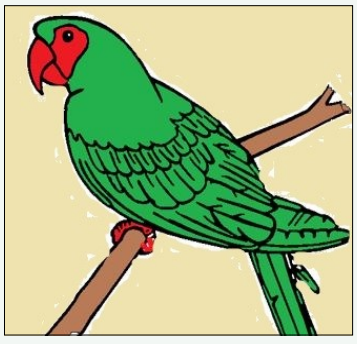

तोते तिहांणि कियु जीं अलणी से समझाओ थिया। मने मन से अलणी धन्यवाद करण लगो थिया। तसे बताओ उपाये बेलि से आज पिन्जरे केआं आजाद भोई गा। अब से आजाद भोई कइ खुले अम्मर अन्तर उडरण लगो असा।

अउं इस धरती पुठ किस असा? (पहला भाग)

हें भारत देश पूरी धरती अन्तर अवादी हिसाब जोई दोके नंबर पुठ असा, होर सोबी केआं ज्यादा नौजबान गभुर हें देश अन्तर असे। एतु मेह्णु के बिछ बिश कइ कि तुं मन अन्तर कदी ई सवाल आ ना कि "इस धरती पुठ में की कम असु? अउं किस जमो असा?" जिन्दगी मकसद खोजे हजारो साल केआं मेह्णु उलझाई रखो असे। खरी खरी कतैबी अन्तर, फिल्मी अन्तर त सेमिनारी अन्तर बतओ बोकि के बावजूद बि

तुस अपु अन्तर हेर कइ जिन्दगी अर्थ जाणि ना सकते। भोई सकतु कि तुसी ईं उपया बि कियो भोल। किस कि तुस अपु अपफ नेई बणओ। तोउं त, तुस अपफ जे ना बताइ सकते कि तुस किस बड़ाओ असे। ईं तोउं भुन्तु कि अस शुरुवाते ईं गलत बोक केआं कते- अपु अपफ केआं। हें सवाल मतलबी भुन्ते जीं –अउं की बणण चाहांता? मोउं अपु जिन्दगी अन्तर की करुण चाहिए? एणेबाड़ी जिन्दगी लिए में की लक्ष्य, में इच्छा त में सपने की असे? पर अपु अपफ पुठ टीग कइ अस जिन्दगी मकसद कदी जाणि न सकते। धरम शास्त्र अन्तर लिखो असु, "तसे हथ अन्तर यक यक जीवधारी प्राण, त यक यक शरीर धारण करणे बाड़े मेह्णु के आत्मा बि रेहंती।" अगर अउं तुं हथ अन्तर यक ईं चीज दियुं, जे तुसी पेहले कदी नेई काओ, त न ता तुस तेस बणाणे मकसद जाणि सकते, होर ना त से चीज तुसी बताइ सकती। तसे मकसद त सिर्फ तेस बणाणे बाड़ा बताई सकता।

कनि बोलु, यक लिंगि अउं बोडे बोडे फाटी के बुच घुमुण जे गओ थिया। मोउं जेस फाट पुठ जे घेण थियु, जपल अउं तेस फाट पुठ जे घेणे बथ पुछण जे रुका, त कनि मोउं जे बोलु, "तुस इठिया तठि ना पुज सकते। तुसी फाटे होर कनरी बइ घेण ऐन्तु!" ईहांणी, तुस बि अपु अपफ पुठ टीग कइ अपु जिन्दगी मकसद तकर ना पुज सकते। तुसी अपु सृष्टीकर्ता परमपिता परमेश्वरे जुओई साते शुरु करुण ऐन्तु। अस सिर्फ तोउं जीन्ते असे किस कि परमेश्वर चाहांता कि अस जीन्ते रिहे। तुस परमेश्वरे बेलि त परमेश्वरेरी लिए बड़ाओ असे त जपल तकर तुस इ समझ ना सकते, जिन्दगी कोई मतलब ना भुन्ता। ए जिन्दगी सिर्फ परमेश्वरे भुओ जेस अन्तर अस अपु पैदाइश, पिछाण, अर्थ(मतलब), मकसद, महत्व त किस्मत पान्ते। बाकि सोब बथ अन्हारे गहई कना जे नी छते।

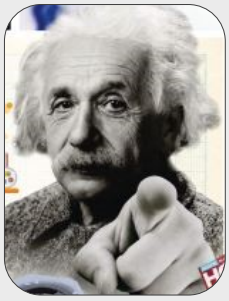

कनि बोलो असु, मेईं ईं केहि कतैबी पढ़ो असी जे में जिन्दगी मकसद जाणणे तरीके बतांती। तेन्हि सोबी अपु मदत करणे जगाइ रख सकते, किस कि से सोब अपु अपफ पुठ नजर एन्ती। केहि केहि कतबी अन्तर इ बि लिखो भुन्तु जे तुं जिन्दगी मकसद तोपणे लिए तेन्हि घिसे-पीटे तरीकी बतांती जीं "अपु सपनी के बारे सोचे। अपु कीमत समझे। लक्ष्य बणए। सोचे कि तुस केस बोक अन्तर खरे असे। ऊंची सोच रखे। अनुशासन अन्तर बिशे, विश्वास करे कि तुस अपु लक्ष तकर पुज सकते। होरि इज्जत दिए, त कदी हार न मने।"

ए ठीक असु कि ईं सुझाव बोडी कामयावी कना जे नेन्ती। अगर तुस एन्हि अन्तर मन लाअल त यक लक्ष अन्तर कामयाव भोई सकते। पर कामयाव भुण त जिन्दगी मकसद पूरा करण दुहे कदी यक बराबर नेई। तुस अपु सोब लक्ष्य पाइ कइ संसारिक तौर पुठ सुआ कामयवी पाणे बावजूद बि तेस मकसद जेसे लिए परमेश्वरे तुस बडाओ असे, पाण अन्तर नाकामयाव भोई सकते। तोउं त सुआ कामयाव मेह्णु बि आत्महत्या कते, नशा कते। रज्जी रुपेई भोई कइ बि जिन्दगी अन्तर सुख शान्ति तेन्हि ना मेती।

बेवफा मनख

कोई ना जाणता, ए कपले कण रिश्ता भो।
शयद दादु, लकड़ दादु केआं बि खड़ी पुराणा भो।
पता नेई किस जगरिए असे, अस एस मेहृणु लिए,
सिढ़िन्ते सुआ भुंजाण अस, एस बेवफा लिए।

कुछ ना बचान्ते अस अपफ जे,
अपु सोब कुछ लुटान्ते
मनखे लिए।
जील केआं डाइ तकर,
पन्ने केआं फल तकर
सम्हाई त भकत चढ़ते,
मनखे सुहलियते कुण्ड
अन्तर।

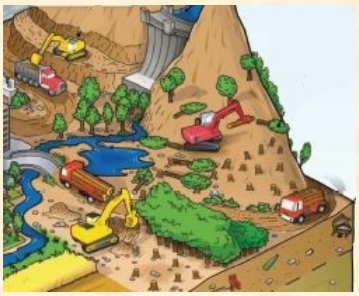

ना कर जुलुम, ओ मनखा,
धिक हें कना बि अपु मन
खिरका।
अस असे त तु असा,
यक होरी लिए ईं धरती बसो
असा।

ई ना लौता भो कि हें मन टुट घियाल,
इस मतोक अन्तर हें घर उजड़ाल।
हें त बर्वादी भुण लगो असी, अभेईं बी,
पर तें बर्वादी भुई सकती, कपले बि।

रिश्ता त तपल पक्का बणते,
जपल यकी होरी इज्जत कते,
असी बेईज्जत कर कइ कि तुस
अपु डेरा बणान्ते।
करे धिक लिहाज,
अस कटुण केआं,
हें जील उखाड़ कइ कि तुस अपु
जिन्दगी बणान्ते?

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहृणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहृणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहृणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपा◌ं असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहृणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

चुटकले

1. डॉक्टर पपू जे: तें वजन कत असा? पपू जी ऐनखे समेत पूरा 75 किलो।
   डॉक्टर: होर ऐनखे बगैर। पपू जी मोउ केतू नऊ, कि पता?
2. भिखारी, बथ हंठो मेहृणु जे: साहब! यक रुपेई दिए। दुई रोज भोई गए खांजे नेई खओ।
   मेहृणु: पेहले ईए बता बारा कि यक रुपेई खांजे कोठि मेतू? दुहे जेईं मीइ कइ खांते।
3. मालिक नौखर जे: धिक हेरीण दे बा, कत बजे?
   नौखर: मालिक मोउं टेम हेरण ना एन्ता।
   मालिक: घड़ी हेर कइ बता कि बोडी सुई कोठी असी त मठड़ी सुई कोठि असी?
   नौखर: जी दुहे सुई घड़ी अन्तर असी।